

शब्दों में शूलग्रन्थ

पाथेय — रास्ते सम्बद्धी/रास्ते का भोजन

पाथोद — बादल

पाथोज — कमल

=
 अस्त्र — एक्स्ट्र चलाया जाए — वग
 शस्त्र — हाथ लेकर चलाया जाए — रिवल्वर

=
 क्लोश — पूरे मन का अस्थिर भाव।

कष्ट — तन+मन की भस्तुविद्या।

व्यथा — कष्टकारक अनुभव

=
 चेष्टा — शक्ति के भवुतार कार्य

प्रयत्न — उपाय/प्रयास

=
 अनश्चिज — जिसे कुछ भी अनुभव/रान न खे

आश्चिज — जानकारी रखने वाला

विज्ञ — ज्ञाता

अज्ञ — ग्रुष्म

अज्ञानी — ज्ञानहीन

=
 अली — सधी

अलि — अमर

=
 अविराम — बिना आराम किए हुए।

अस्मिराम — खुन्दर

अविलम्ब — बिना देने किए हुए

अवलम्ब — सहारा

=
 आलम्ब — सड़ा

आलम्बन — भाव का भावार्

=
 विलाप — रोना

प्रेलाप — बकवास

आलाप — बात/राग आलापन।

=
 कलंक — लोक्षण

अपपश — नदगाई/अपनीटी/उराइ

कविता — पद्धति रचना

कव्य — कवि ने जो रचा/कृतिक

=
 माप — तील (तस्तपामों छि)

नाप — दूरी/निवार्दि का अनुकरण

सम्यता —

संस्कृति —

अवस्था — दशा/स्थिति

आमु — उम्र

उम्र — उम्र/आमु

=
 अलोकिक — जो परलोक से सम्बन्धित

असाधारण — सामान्य नहीं विशेषक

निश्चय — तमज्ज्ञा

संकल्प — प्रयत्नकृत निश्चय

=
 कुल — वंश/सम्पूर्ण

कुल — इनारा/तट

स्त्री — और्ही भाइला

पली — त्रिया/विवाहित स्त्री

=

इवजन — कुल्ता

स्वजन — अपना आदमी

अध्ययन — पढ़ना-तीखना

भुवरीलन — शोधप्रकृत अध्ययन

अध्यापन — पढ़ाना।

=
 भ्राती — धार्मिक भावना से मुक्त होने

भ्रष्टा — गुणवार का आरू

संघर्ष — वाक्तियों जा समान।

झट — तो व्यास्तियों के बीच होने वाले

तट — नदी का/तमुद का निशारा

कुलिन — किनारे की गीरी भ्रमि

=

जलाधि — समुद्र

जलद — बादल

जलज — कमल

अग्न — आग

अग्नित — वायु